Seat No. : _____

# NI-116-H

**December-2015**

## B.A., Sem.-III

## CC-203 : Psychology

## (Hindi Version)

**Time : 3 Hours]** **[Max. Marks : 70**

**सूचना :** दायीं ओर के अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

1. शरीरलक्षी मनोविज्ञान के वैज्ञानिक अभिगम का वर्णन कीजिए । **14**

**अथवा**

शरीरलक्षी मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र का वर्णन कीजिए ।

2. संक्षिप्त टिप्पणी लिखों : (कोई **दो**) **14**

(1) क्षय पद्धति

(2) ई.ई.जी. की पद्धति

(3) उद्दीपन पद्धति

3. चयापचय की प्रक्रिया समझाइए और व्यवहार पर इसके प्रभावों का वर्णन कीजिए । **14**

**अथवा**

अवटुग्रन्थि और जननग्रन्थि के हॉर्मोन के व्यवहार पर प्रभाव बताइए ।

4. तंत्रिकाकोशिका की संरचना और कार्य समझाइए ।

**अथवा**

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **14**

(1) मेरुरज्जु की संरचना और कार्य

(2) अग्रमस्तिष्क के विभिन्न भाग

5. (A) सही अथवा गलत बताइए । **7**

(1) शरीरलक्षी मनोविज्ञान में शरीर के व्यावहारिक पक्षों का अध्ययन किया जाता है ।

(2) शरीरलक्षी मनोविज्ञान के अध्ययन के तीन अभिगम हैं ।

(3) विच्छेदन पद्धति के अध्ययन के लिए प्रयोग स्टेलर ने किया था ।

(4) ई.ई.जी. पद्धति तंत्रिका-शरीररचना पद्धति का उप-प्रकार है ।

(5) विटामिन-B का अन्य नाम थायामिन है ।

(6) ऐड्रिनल ग्रन्थि दो भागों में विभाजित है ।

(7) माइलिन आच्छद का रंग सफेद है ।

(B) सूची मिलाइए : **7**

| **A** | | **B** | |
|---|---|---|---|
| (1) | शरीरलक्षी मनोविज्ञान का महत्त्व | (A) | अन्त:स्रावी ग्रन्थि |
| (2) | तात्त्विक अभिगम | (B) | अभिरंजन पद्धति |
| (3) | नलिकाविहिन | (C) | थैलेमस |
| (4) | ऐड्रिनल कार्टेक्स | (D) | S – O – R अभिगम |
| (5) | तंत्रिका-शरीररचना पद्धति | (E) | कोर्टिकोस्टेरॉन |
| (6) | उत्तेजनशीलता | (F) | भौतिकवाद |
| (7) | अग्रमस्तिष्क | (G) | तंत्रिका आवेग |